Preparation and interpretation of earthquake hazard map in India

Geography practical semester 2

Introduction

- Hazard maps provide important information to help people understand the risk of natural hazards and to help mitigate disasters. Hazard maps indicate the extent of expected risk areas and can be combined with disaster management information such as evacuation sites, evacuation routs and so forth.

Seismic Johnson of the country (state) wise given by bureau of Indian standards (BIS) has categorised into several seismic zones zone ll to v. With variability of peak ground acceleration.

परिचय

- • खतरों के नक्शे लोगों को प्राकृतिक खतरों के जोखिम को समझने और आपदाओं को कम करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। खतरे के नक्शे अपेक्षित जोखिम क्षेत्रों की सीमा को दर्शाते हैं और इन्हें आपदा प्रबंधन जानकारी जैसे कि निकासी स्थल, निकासी मार्ग आदि के साथ जोड़ा जा सकता है।
-
- भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) दवारा दिए गए देश (राज्य) के भूकंपीय क्षेत्रों को कई भूकंपीय क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है जो कि उच्च भूमि त्वरण की परिवर्तनशीलता के साथ ।

Region

- This Seismic zones of the entire country including West Bengal are classified based upon the empirical seismic attenuation low with Respect to the maximum credible earthquake source zone located at vicinity of the area under study with historical seismicity and ground motions of the earthquake observed in various part of the country in past.
- According to this map most of the state of India comes under zone lV, lll, ll, large area of west bengal state is located in Zone lV, lll, and ll.

प्रभावित क्षेत्र

- देश के अतीत में पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश के इस भूकंपीय क्षेत्रों को ऐतिहासिक भूकंपीयता और विभिन्न भागों में देखे गेए भूकंप की जमीनी गतियों के साथ अध्ययन के तहत क्षेत्र के आसपास स्थित अधिकतम विश्वसनीय भूकंपीय स्रोत क्षेत्रों के संबंध में अनुभवजन्य भूकंपीय क्षीणन के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।
-
- इस मानचित्र के अनुसार भारत के अधिकांश राज्य जोन IV, III, II के अंतर्गत आता है, पश्चिम बंगाल राज्य का बड़ा क्षेत्र जॉन IV, III, और II में स्थित है।

Process of making maps
मानचित्र बनाने का तरीका

- Draw a map of India and saw the four seismic zone II to V in different colours according to the data.
- भारत का एक नक्शा बनाएं और डेटा के अनुसार चार भूकंपीय क्षेत्र II से V को अलग-अलग रंगों में देखें।

EARTHQUAKE HAZARD MAP (ZONE)

IN INDIA

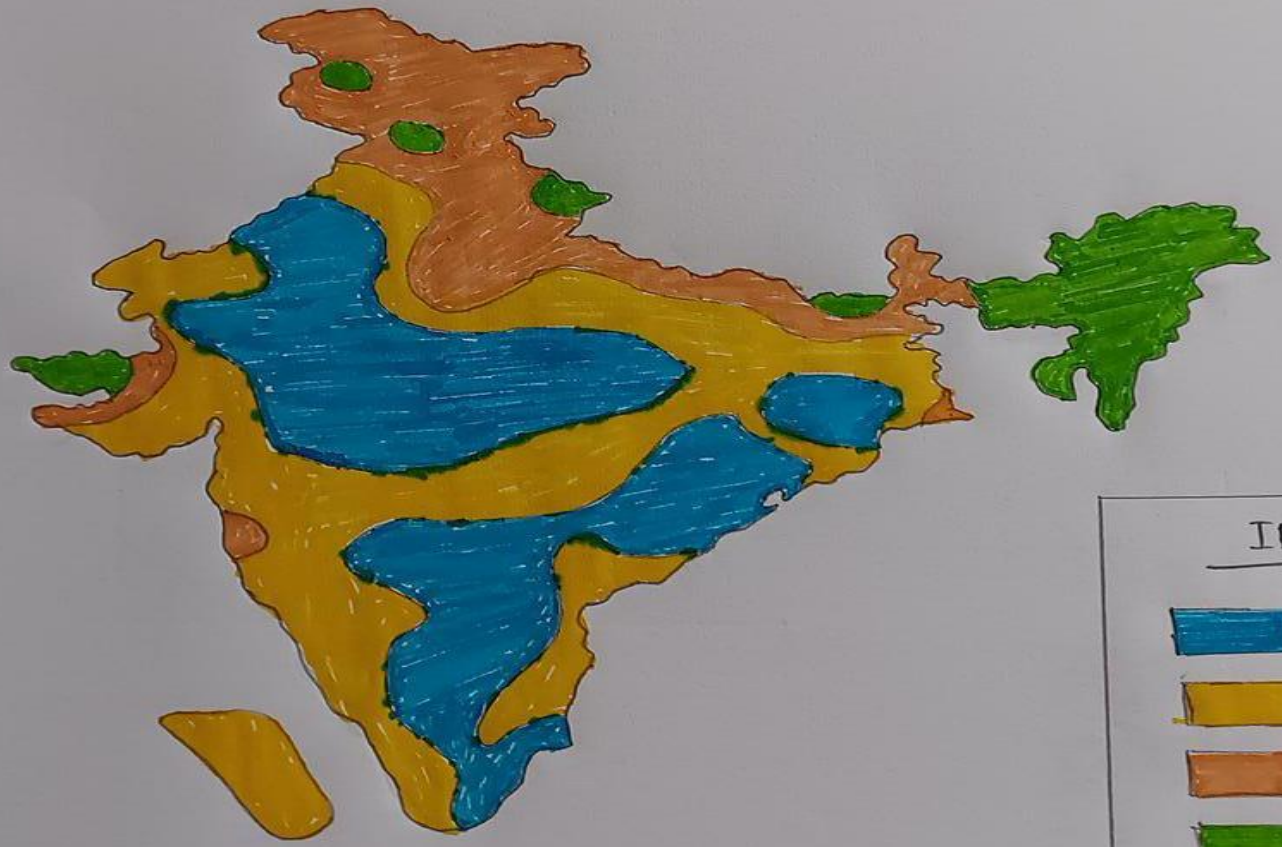

INDEX

- ZONE - II
- ZONE - III
- ZONE - IV
- ZONE - V